भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 868

07 फरवरी, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

टीबी के बारे में जनजागरूकता

868. श्री अनुराग सिंह ठाकुर:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या टीबी के लक्षणों, रोकथाम और समय पर इसके उपचार के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर और निक्षय पोषण योजना जैसी समुदाय-आधारित पहलों का लाभ उठाने के लिए विशिष्ट कदम उठाए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या 100-दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान में इसके परिणामों को दीर्घकालिक टीबी उन्मूलन रणनीतियों में एकीकृत करने का प्रावधान है, जिसमें अत्यधिक मामले वाले जिलों में विस्तारित नैदानिक बुनियादी ढांचे और सामुदायिक भागीदारी को बनाए रखना शामिल है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या इस अभियान के प्रभाव की निगरानी के लिए, विशेष रूप से टीबी देखभाल में सामाजिक-आर्थिक बाधाओं को दूर करने के लिए और 2025 तक टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस जानकारी का उपयोग करने के तरीके के लिए कोई तंत्र स्थापित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ग): राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्वावधान में कार्यान्वित किया जाता है। टीबी सेवाओं को आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) के स्तर तक विकेन्द्रित किया गया है। एएएम द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या पैकेज के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित की जाती है। टीबी के लक्षणों, रोकथाम और समय पर उपचार के महत्व के बारे में जनता को शिक्षित करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए गहन सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) कार्यकलाप आयोजित किए जाते हैं।

दिनांक 7 दिसंबर, 2024 को देश के 347 प्राथमिकता वाले जिलों में 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान शुरू किया गया। यह अभियान टीबी उन्मूलन की दीर्घकालिक कार्यनीतियों जैसे टीवी की रोकथाम, शीघ्र पहचान, इसका त्वरित उपचार और टीबी से संबंधित मृत्यु दर में कमी लाने के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। कमजोर आबादी का निर्धारण, छाती का एक्स-रे जैसे उच्च संवेदनशील उपकरणों से जांच, सभी संभावित टीबी मामलों के लिए अपफ्रंट न्यूक्लिक एसिड एम्पलीफिकेशन टेस्ट (एनएएटी) और उच्च जोखिम वाले टीबी मामलों के प्रबंधन के लिए अलग-अलग टीबी स्वास्थ्य परिचर्या, ये सभी टीबी उन्मूलन की दीर्घकालिक कार्यनीतियों के भाग हैं।

सरकार ने उपचार की अवधि के लिए नि:क्षय पोषण योजना (एनपीवाई) के तहत लाभ को प्रति मरीज 500 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये कर दिया है। अप्रैल, 2018 से एनपीवाई के तहत 1.2 करोड़ लाभार्थियों को 3,246 करोड़ रुपये संवितरित किए गए हैं। टीबी रोगियों के संपर्क में आने वाले परिवारिक सदस्यों को शामिल करते हुए नि:क्षय मित्र पहल का विस्तार किया गया है। सितंबर, 2022 से 2.55 लाख नि:क्षय मित्र पंजीकृत किए गए हैं और 23.63 लाख फूड-बास्केट संवितरित की गई हैं। अभियान के प्रभाव की निगरानी के लिए तंत्र नि:क्षय पोर्टल के माध्यम से कार्यक्रम में अंतर्निहित है। अभियान की कार्यनीतियाँ टीबी की घटनाओं और मृत्यु दर में त्वरित कमी लाने और टीबी उन्मूलन के लिए दीर्घकालिक राष्ट्रीय लक्ष्यों में योगदान करने के लिए तैयार की गई हैं।

दिनांक 7 दिसंबर, 2024 से 1 फरवरी, 2025 के दौरान 4.94 लाख नि:क्षय शिविर आयोजित किए गए हैं, 5.63 करोड़ कमज़ोर व्यक्तियों की जांच की गई है और 1.59 लाख नए टीबी रोगियों को अधिसूचित किया गया है। इसके अलावा, 86,748 नए नि:क्षय मित्र पंजीकृत किए गए हैं और अभियान वाले जिलों में टीबी रोगियों और उनके परिवार के सदस्यों को 1.12 लाख फूड-बास्केट संवितरित की गई हैं।

टीबी रोगियों के बीच एकजुटता का भाव सुनिश्चित करने और टीबी के लक्षणों, रोकथाम और समय पर उपचार के महत्व के बारे में लोगों को शिक्षित करने और उनमें जागरूकता बढ़ाने के लिए आईईसी कार्यकलापों के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी की जाती है। जन भागीदारी गतिविधियों को स्कूलों, पंचायती राज संस्थानों, स्वयं सहायता समूहों, आंगनवाड़ियों, स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों और नागरिक समाज संगठनों की भागीदारी के साथ कार्यान्वित किया जाता है।

*****